सिंचाई खण्ड हल्द्वानी

जनपद नैनीताल के हल्द्वानी विकास खण्ड में चोरगलिया नहर प्रणाली हेतु ट्रैंच वियर व तत्सम्बन्धी कार्यों के निर्माण की योजना

योजना का औचित्य (justification)

चोरगलिया नहर प्रणाली का निर्माण लगभग 100 वर्ष पूर्व किया गया था। विगत वर्षो में नन्धौर नदी में आयी बाढ से नहर एवं नहर के शीर्ष पर निर्मित बन्धा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गये थे, इसके साथ ही बहुत अधिक वन क्षेत्र भी नदी की बाढ से बह गया था। सिचाई विभाग द्वारा वन विभाग के अनुरोध पर इस वन क्षेत्र को पूर्णरूप से सुरक्षा प्रदान की जा चुकी है। स्थानीय कृषको को पेयजल एवं सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने वाली इस नहर एंव बन्धे को पुस्थापित करने की योजना अब स्वीकृत हो चुकी हैं वर्तमान में अस्थाई प्रबन्धन द्वारा नदी के पानी को नहर में प्रत्यावर्तन किया जाता है। जो कि नदी में आयी प्रत्येक बाढ में वह जाता है तथा जिसे बार बार पुर्नस्थापित किया जाता है। जिस पर अत्यधिक व्यय आता है। नदी का तल अत्यन्त porous meterial का होने के कारण नदी में उपलब्ध जल का अधिकांश भाग sub soil flow के रूप मे नष्ट हो जाता है। अस्थाई व्यवस्था से नदी में उपलब्ध जल का आंशिक भाग ही नहर में चल पाता है। जिससे क्षेत्र की सिचाई व्यवस्था पूर्ण नही हो पाती है।

पानी के पूर्ण उपयोग तथा समस्या के निदान के लिये आई0आई0टी0 रूडकी के विशेषज्ञो से परामर्श लिया गया उनके द्वारा सुझाव दिया गया कि इस प्रकार के वोल्डर स्टेज की नदियो में ट्रैंच वियर का निर्माण तकनीकी रूप से उचित एंव मितव्ययी होगा। तकनीकी विशेषज्ञो के सुझाओं एंव अभिकल्पन को समाहित कर योजना का गठन किया गया है। क्षेत्र की पेयजल एव सिंचाई की पूर्ण सुविधा प्रदान किये जाने हेतु ट्रैंव वियर का निर्माण एकमात्र विकल्प है। ट्रैच वियर के निर्माण के उपरान्त क्षेत्र की पेयजल एवं सिंचाई की समस्या हल हो जाएगी तथा अस्थाई कच्चे बन्धों के बार – बार निर्माण पर होने वाले व्यय की आवश्यकता नहीं रहेगी।

सहायक अभियन्ता प्रथम
सिंचाई खण्ड हल्द्वानी

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड हल्द्वानी